दूर गगन से आया है वो अपना शिव भगवान
उसने खुद ने ही आकर दी हमें अपनी पहचान
दे रहा है हमें देवता बनने की अनमोल शिक्षा
शिक्षा देने के साथ वो ले रहा हमारी परीक्षा
ऐसे ऐसे अनजाने विघ्न हमारे पथ में आते हैं
स्थिति हो कमजोर तो दिल कितना दहलाते हैं
बाबा कहते हैं विघ्नों को देखकर ना घबराओ
मुझको ढाल बनाकर और मजबूत बन जाओ
जब तक है पुरुषार्थी जीवन विघ्न आते जाएंगे
भिन्न भिन्न पेपर लेकर तुम्हें कमजोर बनाएंगे
डरना नहीं इनसे हाथ मेरा तुम पकड़कर रहना
पुरे आज्ञाकारी बनकर मानते रहो मेरा कहना
बने थे तुम्हीं कल्प पहले बनोगे तुम्हीं इस बार
ज्ञान योग के बल से आत्मा का करो श्रृंगार
होगी जीत तुम्हारी ही ये पक्का निश्चय करो
माया के किसी वार से तुम बिलकुल नहीं डरो
सुरक्षा कवच बनकर मैं खड़ा हूँ तुमसे आगे
मैं हूँ तुम्हारे साथ तो माया तुमसे डरकर भागे
संग रहो तुम मेरे तो मायाजीत बन जाओगे

सतयुग में जाकर अखण्ड सुख शांति पाओगे
ॐ शांति